वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 261 | सोमवार 16 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

देश की अर्थव्यवस्था में वैश्य समाज का योगदान महत्वपूर्ण

गहलोत ने कहा कि राजस्थान आज सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। केन्द्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार 11.04 की विकास दर के साथ राज्य पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। आज पूरे देश में राज्य सरकार की योजनाएं चर्चा का विषय है।

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि वैश्य समाज ने अपनी उद्यमशीलता से पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। देश की अर्थव्यवस्था में वैश्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। आजादी के आंदोलन में जमना लाल बजाज एवं जी.डी. बिरला जैसी अनेक विभूतियों ने महात्मा गांधी जी के साथ मिलकर कार्य किया। अकाल जैसी प्राकृतिक आपदाओं में वैश्य समाज ने सदैव आगे बढ़कर राहत कार्यों में सहयोग दिया है। मुख्यमंत्री रविवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज वैश्य समाज के लोग भारत के हर कोने में फैले हुए हैं। राजस्थान से निकले औद्योगिक घरानों ने देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इन उद्योगपतियों ने अपने मूल क्षेत्रों से भी अपना जुडाव निरंतर बनाए रखा है तथा उनकी उन्नति के लिए कार्य किये हैं। गहलोत ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान राज्य में सर्वश्रेष्ठ कोरोना प्रबंधन हुआ। कोई भूखा ना सोए के संकल्प के साथ जरूरतमंदों के लिए भोजन सहित अन्य व्यवस्थाएं समाजसेवियों के सहयोग से उपलब्ध कराई गई। इसमें वैश्य समाज ने भी

आगे बढ़कर उल्लेखनीय कार्य किया।

कानून बनाकर दिया जाए सामाजिक सुरक्षा का अधिकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पूर्व में खाद्य, शिक्षा, सूचना एवं रोजगार के अधिकार आमजन को कानून बनाकर दिए गए हैं। इसी प्रकार देश में आमजन को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार कानून बनाकर दिया जाना चाहिए। वर्तमान में राजस्थान में लगभग 1 करोड़ वृद्धजनों, विधवाओं, निःशक्तजनों को सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत पेंशन दी जा रही है। इसी तरह केन्द्र सरकार को भी एक समान सामाजिक सुरक्षा नीति बनाकर पूरे देश में लागू करनी चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को समान रूप से सामाजिक एवं आर्थिक संबल मिल सके। गहलोत ने कहा कि राजस्थान आज सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। केन्द्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार 11.04 की विकास दर के साथ राज्य पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। आज पूरे देश में राज्य सरकार की योजनाएं चर्चा का विषय है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से आमजन को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति मिली है। इस योजना के तहत प्रदेशवासियों के लिए 10 लाख रुपये तक का इलाज निःशुल्क कर दिया गया है। लीवर, किडनी ट्रांसप्लांट एवं कोक्लियर इम्प्लांट सहित अन्य अंग प्रत्यारोपण वाले उपचारों में 10 लाख रुपये की सीमा समाप्त कर दी गई है एवं पूरा खर्चा राज्य सरकार वहन कर रही है। आमजन के लिए आईपीडी-ओपीडी उपचार, सभी प्रकार की दवाइयां और महंगी जांचें निःशुल्क कर दी गई हैं। साथ ही, प्रदेशवासियों को 5 लाख का दुर्घटना बीमा भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण कार्य करने वाली वैश्य समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उन्होंने सम्मानित होने वाले लोगों को बधाई देते हुए कहा कि उनके कार्यों से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सभी वर्गों को लाभान्वित करने के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार द्वारा प्रदेश में उद्योग स्थापित करने, निवेश बढ़ाने और युवाओं को इस क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए अहम निर्णय लिये जा रहे हैं। इंटरनेशनल वैश्य फैडरेशन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने अग्रसेन जयंती पर अवकाश घोषित करने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी, एन.के. गुप्ता एवं सुधीर जैन सहित वैश्य समाज के लोग उपस्थित थे।

आईएएस ऑफिसर एसोसिएशन ने मनाया लोहड़ी थीम पर नववर्ष स्नेह मिलन समारोह

अंताक्षरी सहित कई दिलचस्प प्रतियोगिताओं ने बांधा कार्यक्रम में समां

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान आईएएस ऑफिसर एसोसिएशन के अधिकारियों ने रविवार को ओटीएस परिसर में मकर सक्रांति के अवसर पर लोहड़ी थीम पर नववर्ष स्नेह मिलन समारोह सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। एसोसिएशन के सांस्कृतिक सचिव और आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि समारोह की शुरूआत लोहड़ी पूजन के साथ की गई। समारोह में 75 से भी अधिक अधिकारियों ने अपने परिजनों के साथ शिरकत की। ढोल मजीरे और भांगड़े के साथ अधिकारियों के मुस्कुराते चेहरे

और थिरकते पैरों की थाप ने सर्द हवा की शाम को अपनी गर्मजोशी से भर दिया। अरोड़ा ने बताया कि मुख्य सचिव उषा शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित इस वर्ष का कार्यक्रम का कलेवर पूर्व के वर्षों से जुदा एक नए अंदाज में संयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान हाल में सेवानिवृत्त हुए आईएएस अधिकारी गजानंद शर्मा, दिनेश यादव तथा दीपक नंदी का अभिनंदन भी किया गया। सांस्कृतिक सचिव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुख्य सचिव की पहल पर आयोजित अंताक्षरी प्रतियोगिता रही, जो बिना रुके लगभग 2 घंटे तक लगातार चली। प्रतियोगिता पुरुष और महिला टीमों के बीच बिना हार-जीत के आगामी स्नेह मिलन समारोह तक के लिए स्थगित किया गया। अरोड़ा ने बताया कि अधिकारियों एवं उनके परिवारजनों के साथ ऐसे अनौपचारिक वातावरण में आयोजित कार्यक्रम पारस्परिक समरसता एवं प्रशासनिक सामंजस्य को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने इस अवसर पर विशेष रूप से मुख्य सचिव के प्रति उनके द्वारा कार्यक्रम को दिए गए नए आयाम, दिशा एवं उत्साहवर्धन के लिए तथा शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

वैश्य प्रतिभा सम्मान समारोह एवम म्यूजिकल कॉन्सर्ट ने बांधा समां

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतराष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन जयपुर सेंट्रल द्वारा वैश्य प्रतिभा सम्मान, शपथ ग्रहण समारोह एवं म्यूजिकल कॉन्सर्ट का आयोजन आज बिरला सभागार में संपन्न हुआ। अध्यक्ष सुधीर जैन ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने अपने उद्बोधन में वैश्य समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों को उत्कृष्ट बताया व वैश्य भामाशाओ द्वारा सर्व समाज के लिए किए जा रहे जनहित कार्यों की प्रशंसा की। जस्टिस मनीष भंडारी ने जयपुर सेंट्रल की मुख्य विंग,महिला विंग,युवा विंग को शपथ दिलाई। समारोह के मध्य में बॉलीवुड सिंगर आलोक काटदारे,गुर सक्सेना,मुंबई व सलीम मलिक,पायल वैध,विश्वनाथ वाटुगे,प्रदीप पल्लवी अपनी संगीत मय प्रस्तुति दी। लाफ्टर फेम प्रदीप पल्लवी,दिल्ली श्रोताओं को अपनी प्रस्तुतियों से लोगो को मंत्र मुग्ध कर दिया। महा सचिव संजय पाबूवाल ने बताया कि समारोह के विशिष्ठ अतिथि तकनीकी शिक्षा मंत्री सुभाष गर्ग,विधायक काली चरण सराफ,अशोक लाहोटी व अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल,राजस्थान अध्यक्ष एनके गुप्ता,मणिपाल हॉस्पिटल के डायरेक्टर रंजन ठाकुर,राजस्थान प्रभारी ध्रुव दास अग्रवाल,महा सचिव गोपाल गुप्ता,महिला विंग अध्यक्ष ज्योति खंडेलवाल,युवा विंग अध्यक्ष जेडी महेश्वरी थे।

268 नेत्र रोगियों को जांच कर दवाई दी, निकाले चश्मे के नंबर

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

केकड़ी। लायंस क्लब केकड़ी डीडी नेत्र फाऊंडेशन कोटा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सोनी परिवार के सौजन्य से 21 दिसंबर को किए गए ऑपरेशन का फोलो ऑफ रविवार को लायंस भवन जयपुर रोड केकड़ी में 268 मरीजों का फॉलोअप शिविर आयोजित हुआ । क्लब प्रशासक लायन दिनेश गर्ग ने बताया कि शिविर का शुभारंभ उपखंड अधिकारी केकड़ी विकास पंचोली, विकास अधिकारी मधुसूदन, प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन एस एन न्याति, अध्यक्ष लायन राजेंद्र कुमार सोनी, उपाध्यक्ष लायन राकेश जैन , सचिव पुरुषोत्तम गर्ग, कोषाध्यक्ष लायन विनय पांड्या, डॉक्टर विदुला ने श्री गणेश जी की मूर्ति के सामने दीप प्रज्वलित कर किया । लायंस क्लब केकड़ी के उपाध्यक्ष लायन दिनेश मेवाड़ा ने बताया कि 268 मरीजों की जांच कर दवा प्रदान की गई व चश्मे के नंबर निकाले गए । आज जिन लोगों के चश्मे के नंबर निकाले गए हैं उनको आगामी 5 फरवरी को निशुल्क चश्मा प्रदान किया जाएगा । शिविर में कंपाउंडर आशीष बाकलीवाल, प्रकाश चंद, प्रवीण कुमार, प्रदीप शर्मा, नरेंद्र , दिनेश चौहान, मुकेश कुमार, लखन सोनी, अंकित सुमन, राम प्रसाद व आकाश वैष्णव ने सराहनीय सहयोग दिया ।

एएमओ टू व्हीलर इलेक्ट्रिक गाड़ी शोरूम का उद्घाटन

दिव्यांगों के लिये बना पहला तिपहिया इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लेकसिटी में उदियपोल अन्दर हाड़ारानी होटल के समीप स्थित लीला मोटर्स शोरूम पर रविवार को उप महापौर पारस सिंघवी व कमला देवी राजपाल ने फीता काटकर इलेक्ट्रिक गाड़ी एएमओ को बाजार में उतारा। इस अवसर पर एएमओ इलेक्ट्रिक बाइक कंपनी के अजय यादव ने बताया कि कंपनी ने एएमओ के 5 मॉडल 4 आकर्षक रंगो में उतारे हैं। इसका बेसिक मॉडल जोन्टी प्लस सरकारी सब्सिडी के बाद 74460 रुपए से प्रारम्भ हो कर टॉप मॉडल डेढ़ लाख रुपए का है। 30 गाड़ियों की डिलीवरी दी जा चुकी है। कंपनी ने राज्य में 31 आउटलेट खोले हैं जहां अब तक मात्र तीन माह में 10 हजार से अधिक स्कूटर की डिलीवरी हो चुकी है। कंपनी इस इलेक्ट्रिक व्हीलकल के निर्माण में सरकारी गाइड लाईन का पूरा अनुसरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने दिव्यांगों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उनके लिये तिपहिया स्कूटर का भी निर्माण भी किया है। कंपनी ने इस गाड़ी में लीथियम की एक बैटरी दी है। एक बैटरी फुल चार्ज होने में 3-4 घंटे का समय लेती है, जिसमें लगभग ढाई से तीन बिजली यूनिट के खर्च पर एक बैटरी पर गाड़ी लगभग 120 किमी. चलती है। लीला मोटर्स के मालिक

रौनक राजपाल ने बताया कि कंपनी ने साईड स्टेण्ड पर सेंसर दे रखा है इस कारण जब तक साईड स्टेण्ड रहेगा तब तक गाड़ी नहीं चलेगी, इससे दुघर्टनाओं में कमी आयेगी। कंपनी की ओर से सॉलिड बॉडी गाड़ी पर तीन साल की वारंटी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक दुपहिया गाड़ियों पर 9400 रुपए की छूट दी जा रही है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पारस सिंघवी ने कहा कि आने वाला समय बैटरी चलित गाड़ियों का है। इन गाड़ियों का उपयोग कर हम अपने प्राकृतिक संसाधनों को बचा पायेंगे। कार्यक्रम में झूलेलाल सेवा समिति अध्यक्ष प्रतापराय चुघ, समाज सेवी विजय आहूजा, युवा समाज सेवी मनोज कटारिया, वासुदेव राजानी, भगवानदास छाबड़ा सहित अनेक गणमान्य मौजूद थे।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक द्वारा "कल, आज और कल" कार्यक्रम का आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप स्वस्तिक उदयपुर द्वारा तीन पीढ़ियों के अद्भुत संगम का कार्यक्रम ''कल, और कल'' का आयोजन किया गया। जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक द्वारा नवाचारों, सामाजिक सद्भाव, संस्कृति को जोड़े रखने के लिए तीन पीढ़ियों का अदभुत संगम 'कल, आज और कल' कार्यक्रम शहर के धाकड़ गार्डन में आयोजित किया गया। स्वस्तिक ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष धीरज छाजेड़ ने बताया कि समाज में हमारी गौरवशाली संस्कृति और परिवार को एक सूत्र में जोड़े रखने के लिए एक अभिनव कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी सदस्यों के माता-पिता अर्थात बच्चों के दादा-दादी एवं नाना-नानी भी उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि भारतीय समाज हमेशा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विचारधारा से संचालित रहा है एवं कोरोना जैसी महामारी के बाद संयुक्त परिवार की अवधारणा को बल मिला है। रामराज्य से लेकर कृष्ण के साम्राज्य तक संयुक्त परिवार की संकल्पना का पोषण हुआ है। संयुक्त परिवार उस वटवृक्ष जैसा है जिसे स्वयं नहीं मालूम कि उसकी जड़ें कितनी और कहां तक फैली हैं। संयुक्त परिवार में शिशु के लालन-पालन से लेकर उसके समाजीकरण की प्रक्रिया का उद्भव होता है एवं उचित मार्गदर्शन एवं देखरेख में उसके व्यक्तित्व का पूर्ण विकास होता है। स्वास्तिक ग्रुप द्वारा परिवार को जोड़ने एवं संस्कृति को जीवित रखने वाले इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाता रहा है। ग्रुप उपाध्यक्ष विमल चंद कटारिया ने वैश्वीकरण एवं मोबाइल के युग में होने वाली छोटे बच्चियों एवं नारियों के खिलाफ घृणित विभिन्न घटनाओं की ओर सबका ध्यान खींचकर बच्चों एवं युवाओं पर अंकुश रखते हुए संस्कारवान बनाने पर जोर दिया। ग्रुप के सचिव सुनिल गांग ने बताया कि आजकल एकल परिवार की संस्कृति और मोबाइल युग में हमने दादी के नुस्खे, दादा की कहानियां, ताऊ का सयानापन, ताई की झिड़की, काकी का दुलार, काका की डांट और माता-पिता का अपने बच्चों को दूर से बढ़ते हुए देखने का सुख खो दिया है। सासों द्वारा अपनी बहुओं एवं बेटियों को बहुत सारी स्त्रीजन्य जीवनोपयोगी बातें झिड़ककर, प्रेम से एवं अपने आचरण से संयुक्त परिवार में सिखाई जाती हैं। इस प्रकार पीढ़ियों में व्यावहारिक ज्ञान का हस्तांतरण स्वतः हो जाता है।

तीये की बैठक

श्री अलबेलचंद जी वैद

का स्वर्गवास 15-1-2023 को हो गया। तीये की बैठक 17-1-2023 प्रातः 9 बजे शांतिनाथ जैन मंदिर सेक्टर 3 मालवीय नगर, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल

पदम- राज, सुरेश, अशोक- आशा, दिलीप- ममता (पुत्र- पुत्रवधु), त्रिशला- राजेन्द्र छाबड़ा (पुत्री- दामाद), लक्ष्मीदेवी, प्रकाश, देवेन्द्र, प्रेम, विनोद, बुद्धि, ओम, मनोज, प्रमोद, रवि (भतीजे- बहु), केसरीचंद पाटनी (बहनोई), संदीप- वर्षा, अनुपम- विनीता, सचिन- सीमा, अभिनव- सोनिया, अनुज- ज्योति (पौत्र- पौत्रवधु), अनुष्का, यथार्थ (पौत्री- पौत्र), प्राची- प्रदीप, रुचि- अटल, शालिनी -अजय, रानू- अभिषेक (पौत्री- दामाद) , संदीप- मनीषा (दोहिता- बहु), आरती- ललित, दीपिका- मुकेश (दोहिती- दामाद), ससुराल पक्ष- टीकम, प्रवीण गोदिका, सुरेश, रमेश गोधा

वेद ज्ञान

जीवन में समालोचना का महत्व

कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जो कभी गलतियां न करता हो, लेकिन अपनी गलतियों को हम स्वयं नहीं समझ पाते। जब कोई दूसरा हमारी गलतियों की तरफ ध्यान दिलाता है, तब हमें उन्हें देखने का मौका मिलता है और हम उनमें सुधार करने की कोशिश करते हैं। समालोचना हमारे दोष और खामियों को पहचानने और उन्हें सुधारने में हमारी मदद करती है। समालोचना नई संभावनाओं और नए विचारों को जन्म देती है। यह समस्या को सुलझाने के हमारे कौशल को भी बढ़ा सकती है। इसी तरह समालोचना हमें उन छोटे-छोटे मुद्दों की चिंता न करना भी सिखाती है, जो वास्तव में हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं। कुल मिलाकर समालोचना हमारी खुशी, शांति, आनंद और सफलता के क्षणों को जीने के अवसरों में बढ़ोतरी करती है। कहावत है कि जो लोग आपकी निंदा करते हैं, उन्हें अपने आंगन में कुटी बनवाकर रखना चाहिए। ये निंदा करने वाले ही एक प्रकार के समालोचक हैं। ये हमारी कमियां बताकर साबुन और पानी के बगैर हमारे स्वभाव को साफ करते हैं। ऐसे में हमारे अंदर यह भावना कभी नहीं आनी चाहिए कि कोई दूसरा व्यक्ति हमें सीख वैसे दे सकता है या फिर मैं अपना भला-बुरा खुद समझ सकता हूं। ऐसा सोचने वाले व्यक्ति स्वयं अपना ही नुकसान कर लेते हैं। अपनी आलोचना किसी को भी अच्छी नहीं लग सकती है, लेकिन समझदार व्यक्ति अपने कौशल से अपनी आलोचना को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति आलोचना को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेते हैं, बल्कि इसे एक अवसर में बदल देते हैं। वैसे कुछ लोग आदतन आलोचक होते हैं और वे हमेशा दूसरे के क्रियाकलापों पर अनावश्यक या नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। ऐसे लोग खुद से ही असंतुष्ट होते हैं, इसलिए उन्हें दूसरों में भी दोष ही दिखाई देते हैं। हमें कभी भी बेवजह दूसरों की आलोचना नहीं करनी चाहिए, क्योंकि आपकी आलोचना व्यक्ति को जीवन के प्रति हतोत्साहित भी कर सकती है, जबकि समालोचना से व्यक्ति उत्साहित होकर एक नया जीवन प्राप्त कर सकता है।

संपादकीय

तनाव खत्म नहीं हो रहा...

ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर सरकार और सर्वोच्च न्यायालय के बीच तनाव खत्म नहीं हो रहा। किसी न किसी बहाने इस पर सरकार की तरफ से टिप्पणी आ ही जाती है। उपराष्ट्रपति ने एक बार फिर दोहराया कि राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को लेकर बने कानून को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं ऐसा नहीं देखा गया कि संसद द्वारा पारित कानून को किसी दूसरी संस्था ने रद्द कर दिया हो। लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए संसद की स्वायत्तता और संप्रभुता सर्वोपरि है। इसके पहले भी उपराष्ट्रपति इस मुद्दे को रेखांकित कर चुके हैं। कुछ दिनों पहले कानून मंत्री ने भी तल्ख लहजे में कहा था कि अगर सर्वोच्च न्यायालय खुद ही अपनी नियुक्तियां करना चाहता है, तो फिर वह अपनी सिफारिशें भी हमारे पास न भेजे। दरअसल, सात साल पहले केंद्र सरकार ने संसद में संविधान संशोधन कर ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन का प्रावधान किया था। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उसे मानने से इनकार करते हुए खारिज कर दिया था। तभी से सरकार और अदालत के बीच तकरार की स्थिति बनी हुई है। सरकार का तर्क है कि तमाम संवैधानिक संस्थाओं के सर्वोच्च और महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां सरकार करती है। उसी तरह सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति भी सरकार की सहमति से होनी चाहिए। पहले ऐसा ही हुआ करता था। उसी के मद्देनजर राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का प्रावधान किया गया। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने इसे संविधान की मूल भावना के अनुरूप न मानते हुए खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय को आशंका है कि अगर न्यायाधीशों की नियुक्ति में राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ेगा, तो न्याय प्रक्रिया में बाधा पहुंचेगी और उचित न्याय की संभावना क्षीण होगी।

कालेजियम प्रणाली इसीलिए बनाई गई थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ना शुरू हो गया था, जिसे लेकर अंगुलियां उठने लगी थीं। मगर इस प्रणाली को लेकर भी कहा जाता है कि चूंकि जज ही जजों की नियुक्ति करते हैं, इसलिए उसमें भाई-भतीजावाद चल पड़ा है। इससे मुक्ति का रास्ता निकालना चाहिए। मगर वह रास्ता क्या हो, इस पर कोई आमराय बन नहीं पा रही। सरकार अपने ढंग से नियुक्ति चाहती है और अदालत को वह तरीका पसंद नहीं। हालांकि कालेजियम प्रणाली के तहत होने वाली नियुक्तियों में भी सरकार के पास नाम भेजे जाते हैं और वह उनमें से वरिष्ठता आदि को ध्यान में रख कर कुछ नामों पर मंजूरी देती है। मगर अब सरकार अदालत के सुझाए नामों को मंजूरी देने के बजाय लंबे समय तक चुप्पी साध लेती देखी जाती है। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय कई बार नाराजगी जता चुका है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

प्रचार की मर्यादा...

दिल्ली सरकार पर अनियमितताओं के आरोप थमने का नाम नहीं ले रहे। अभी सूचना एवं प्रचार निदेशालय यानी डीआइपी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोटिस भेजा है कि वे दस दिनों के भीतर सरकारी खजाने में एक सौ चौंसठ करोड़ रुपए जमा कराएं। यह नोटिस उन्हें आम आदमी पार्टी का संयोजक होने के नाते भेजा गया है। डीआइपी का आरोप है कि पांच साल पहले दिल्ली सरकार ने सरकारी धन से दूसरे राज्यों में पार्टी का विज्ञापन किया था। इस पर आम आदमी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एक बार फिर हमलावर हो गई है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस वार्ता करके कहा कि केंद्र सरकार अफसरों का असंवैधानिक इस्तेमाल करते हुए दिल्ली सरकार के खिलाफ कार्रवाई को उकसा रही है। उन्होंने पूछा कि इस आरोप के पक्ष में डीआइपी के पास क्या सबूत हैं। फिर यह भी सवाल किया है कि तमाम राज्यों के मुख्यमंत्री रोज अपनी सरकारों की उपलब्धियों के विज्ञापन दिल्ली के अखबारों में छपवाते हैं, बहुत सारी जगहों पर उनके विज्ञापन-पट्ट लगे हैं, इसके लिए क्या भाजपा से रकम वसूली जाएगी। हालांकि प्रचार-प्रसार पर अनावश्यक खर्च को लेकर पहली बार वैधानिक ढंग से आम आदमी पार्टी पर कार्रवाई करने का प्रयास किया गया है, जबकि भाजपा के नेता बहुत पहले से दिल्ली सरकार के विज्ञापनों पर खर्च को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। विज्ञापनों पर खर्च करने के लिए हर सरकार के पास बजट में रकम निर्धारित होती है। विज्ञापनों के स्वरूप को लेकर भी नियम-कायदे बने हुए हैं। मगर यह छिपी बात नहीं है कि हर सरकार उन नियम-कायदों को तोड़-मरोड़ कर सरकारी विज्ञापनों का इस्तेमाल अपनी पार्टी के प्रचार-प्रसार के तौर पर करने का प्रयास करती है। यही नहीं, उन विज्ञापनों के जरिए संचार माध्यमों को उपकृत और फिर उन्हें अपने पक्ष में लाने की कोशिश भी करती हैं। विज्ञापनों के आबंटन में पक्षपात को लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक को दखल देनी पड़ी थी। आम आदमी पार्टी पर कई योजनाओं को लेकर आरोप लगते रहे हैं कि उनसे जितना लोभ लोगों को नहीं मिला, उससे कई गुना अधिक उनके प्रचार-प्रसार पर खर्च किया गया। सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे आमतौर पर उन्हीं योजनाओं के विज्ञापन दें, जिनसे जनजागरूकता फैलती या कोई जनकल्याण का काम होता हो। मगर सरकारें प्रायः विज्ञापनों में अपनी उपलब्धियां अधिक गिनाती देखी जाती हैं। छिपी बात नहीं है कि इसके पीछे भावना पार्टी के प्रचार की ही होती है। आम आदमी पार्टी ने भी ऐसे अनेक विज्ञापन लगातार प्रकाशित-प्रसारित कराए हैं। मगर जब इसे लेकर नैतिकता का प्रश्न खड़ा हुआ है, तो जैसा कि दूसरे अनेक मामलों में देखा जाता रहा है, वह भाजपा को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रही है। कायदे से उसे चाहिए कि वह उन विज्ञापनों का आकलन करे, जिन्हें लेकर डीआइपी ने रकम वसूली का नोटिस भेजा है और फिर उस पर अपना स्पष्टीकरण दे। फिलहाल उसका नैतिक तकाजा यही है। दूसरे, डीआइपी को भी स्पष्ट करना चाहिए कि उसने किन विज्ञापनों के मद्देनजर यह नोटिस भेजा और उन पर आए खर्च का आकलन कैसे किया। इस तरह लोगों को हकीकत का अंदाजा लग पाएगा और नाहक इस मामले को राजनीतिक रंग देकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला थमेगा।

मकर सक्रांति पर जैन सोश्यल ग्रुप द्वारा नारेली गौशाला में गायों को चारा खिलाया

अजमेर. शाबाश इंडिया

मकर संक्रांति पर्व पर जैन सोश्यल ग्रुप द्वारा मुनि श्री 108 संबुद्ध सागर जी एवं मुनि श्री संविज्ञ सागर जी के सानिध्य में मनी रेकी प्रशिक्षण प्राप्त किया गया ' मुनि श्री द्वारा रेकी का प्रशिक्षण प्रातः 9 बजे नाका मदार स्थित जिन शासन में दिया गया। जिसमें मुनि श्री द्वारा रेकी से सुख समृद्धि यश की प्रप्ति के बारे में बताया व रेकी से हमारे शरीर को शुद्ध करके दूसरों के शरीर की प्रॉब्लम कैसे दूर कर सकते हैं। यहाँ मुनि श्री द्वारा यह भी बताया गया कि यह पद्धति हिंदुस्तान से ही विदेशों में फैली, अब फिर से हिंदुस्तान में आयी है। इस दौरान सभी सदस्यों द्वारा मुनि श्री संविज्ञ सागर के केश लोचन के दर्शन लाभ भी प्राप्त किये। जिन शासन के मंत्री नागेंद्र द्वारा ग्रुप अध्यक्ष रूपश्री जैन, प्रो आर के बोहरा, कोषाध्यक्ष अशोक गदिया, मनोज मोडासिया व सभी सदस्यों का स्वागत किया गया ' मुनि श्री से ग्रुप के सभी सदस्यों ने आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात मकर सक्रांति पर्व पर सभी ने नारेली स्थित गौशाला में गायों को चारा व लड्डू खिला कर धर्म लाभ लिया व छोटे बछड़ो को लाड़ दुलार किया ' इस मौके पर उपमहापोर नीरज जैन एवं उनकी धर्मपत्नी श्वेता जैन ने भी इसमें हिस्सा लिया 'इस अवसर पर टोनी भैया नारेली गौ शाला संचालक द्वारा सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इसके पश्चात नारेली के सुकांत भैया ने 48 दीपों से भक्ताम्बर जी की आरती करवाई ' नारेली के नवनिर्मित बगीचे में सभी सदस्यों को उर्मिला - शैलेंद्र व रूपश्री - मनोज द्वारा आकर्षक गेम्स व हाउजी खिलाए गए ' इसमें अखबार से ड्रेस गेम में विन्नी जैन - विनय बाकलीवाल प्रथम व मंजुला - शैलेंद्र पटौदी द्वितीय रहे, टोपी पहनाने के खेल में मंजुला पटौदी प्रथम व संगीता साल्गिया द्वितीय रहे, ट्रेन के खेल में शैलेंद्र जैन प्रथम व सुनील दोशी द्वितीय रहे। नारेली तीर्थ स्थल पर सभी ने पक्षीयों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पतंग स्वरूप गुब्बारे उड़ाकर सभी को जीवों के प्रति दया का संदेश दिया। सभी सदस्यों ने पतंग के गानों पर डांस किया। ग्रुप अध्यक्ष रूपश्री जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया व धन्यवाद दिया।

सिद्धवरकूट सिद्धक्षेत्र पर बाल पूजन प्रशिक्षण एवं संस्कार शिविर का आयोजन संपन्न

राजेश जैन. शाबाश इंडिया

इंदौर। श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवरकुट पर यंग जैन स्टडी ग्रुप एवं महावीर ट्रस्ट द्वारा प्रकाश छाबड़ा इंदौर, अखिलेश जैन, अजय जैन के मार्गदर्शन में 105 बच्चों का ''पूजन पाठ संस्कार शिविर'' का आयोजन किया गया। शिविर में पूजन, अभिषेक स्वाध्याय एवं संस्कारों की विधियों के संबंध में प्रदान की गई। इस अवसर पर सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट एवं महावीर ट्रस्ट इंदौर के अध्यक्ष अमित कासलीवाल एवं महामंत्री विजय काला ने बच्चों को संस्कारित किए जाने हेतु प्रकाश छाबड़ा एवं पूजा छाबड़ा, अभिषेक जैन, अजय जैन का स्वागत अभिनंदन किया एवं उपस्थित बच्चों एवं सभी समाज बंधुओं के लिए तीर्थ क्षेत्र पर संपूर्ण सुविधा के साथ पूरे क्षेत्र का अवलोकन एवं नर्मदा नदी पर यात्रा भी करवाई। प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक इस शिविर का आयोजन किया गया।

श्री रामचरित मानस पंच कुण्डात्मक महायज्ञ महोत्सव व चोला आवरण कार्यक्रम का समापन सोमवार को

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद के रामसर रोड स्थित ग्राम सनोद मे बालाजी मन्दिर पर 8 जनवरी से चल रहे श्री रामचरित मानस पंच कुण्डात्मक महायज्ञ महोत्सव व चोला आवरण कार्यक्रम का समापन सोमवार को होगा। मन्दिर पुजारी पुखराज वैष्णव व सुरेश वैष्णव ने जानकारी देते हुये बताया कि कार्यक्रम के पूर्व गाजे बाजे के कलशयात्रा रामायण के साथ निकाली गई थी । यह कार्यक्रम श्री बामणिया बालाजी मंदिर आश्रम के संत श्री श्री 1008 संत श्री रामदास जी महात्यागी के सानिध्य मे आयोजित किया जा रहा है। यज्ञ के आचार्य पं. कैलाश चन्द शास्त्री गंगापुर वाले है, वही यज्ञ के ब्रह्मा पं. दयानन्द शास्त्री है। जिसमे शुभ यज्ञ आहुति प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से 12 बजे व मध्यान्ह 01 बजे से 04 बजे तक प्रतिदिन दी जा रही है । वही 16 जनवरी सोमवार को पूणार्हुति व प्रसादी होगी ।

धर्म में ध्यान और स्थिरता आवश्यक है: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

ज्ञानतीर्थ प्राण प्रतिष्ठा हेतु जाप्यनुष्ठान शुरू, ज्ञानतीर्थ युवा मंडल का गठन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। कोई भी कार्य करने में या सुनने में स्थिरता होनी चाहिए। कानों में आवाजे तो बहुत आती हैं लेकिन जिस आवाज का उपयोग होता है वही आवाज सुनाई देती है। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त मुरेना नगर में साधर्मी बन्धुओं में एक नई ऊर्जा संचार कर उन्हें प्रेरित कर रही हैं। ज्ञानतीर्थ पंचकल्याणक के आयोजन से पूर्व मंगलाचरण के निमित्त मुरेना में छः दिन से महामंत्र णमोकार का जाप चल रहा है । जाप्यानुष्ठान में लगभग 250 महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लेकर चार दिन में सात लाख जाप करके एक कीर्तमान स्थापित किया है । आज धर्मसभा के समय मुरेना जैन समाज की ओर से मुरेना नगर

आप प्रवचन सुन रहे हैं, आपकी स्थिरिता देखने योग्य है। आप हिल भी नहीं रहे हैं, यही तो ध्यान हैं । सुई में धागा भी ध्यान से ही जाता है । नाचते नाचते हम बात नहीं कर सकते क्योंकि नाचने में भी ध्यान चाहिए, यदि ध्यान भटक जाए तो नाचना बंद हो जाएगा। इसी प्रकार धर्म में ध्यान और स्थिरिता का अति आवश्यक है । धार्मिक क्रियाकलापों में बगैर ध्यान और स्थिरिता के सभी अर्थहीन हैं । उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने बड़े जैन मंदिर मुरेना में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। आर्यिका श्री इस समय ज्ञानतीर्थ जैन में चातुर्मास करने बाबत पूज्य आर्यिका माताजी को सामूहिक श्रीफल अर्पित किया । इसी संदर्भ में सिहोनियाँ अतिशय क्षेत्र कमेटी के संरक्षक आशीष जैन सोनू ने पूज्य माताजी से सिहोनियाँ जी में चातुर्मास के लिए निवेदन करते हुए श्रीफल भेंट किया। पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने मुरेना नगर की जैन समाज की सभी स्वयं सेवक मंडलों, महिला मंडलों की अलग अलग बैठक लेकर उन्हें पंचकल्याणक महोत्सव में अपनी अपनी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। समाज के युवाओं को एकजुट कर ज्ञानतीर्थ युवा मंडल का गठन किया।

मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने कहा...

आज सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर आया है उसी तरह हमारे जीवन में भी नकारात्मकता से सकारात्मकता बढ़े

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

पारसनाथ तीर्थ की तलहटी मे स्थित गुणायतन परिसर में पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने मकर सक्रांति के पावन पर्व पर अपना उद्बोधन प्रदान करते हुए कहां की बड़े भाग्यशाली होते हैं वह महान पुण्य होता है कि आप यहां आकर वंदना कर रहे हैं और विधान कर रहे हैं। आप बड़भागी है जो सिद्धों की भूमि पर एकत्रित हुए हैं किसी तीर्थ क्षेत्र पर विधान करना वह किसी अन्य क्षेत्र पर विधान करना बहुत बड़ा फर्क होता है। साधारण स्थल पर विधान करना, शाश्वत तीर्थ पर विधान करना बहुत बड़ा प्रभाव होता है। सिद्ध क्षेत्र का विधान करना आप सभी के परम पुण्य का योग है। पूज्य मुनि श्री ने मकर सक्रांति के पर्व पर कहा कि आज सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर आ गया है उसी तरह आपके जीवन में भी नकारात्मकता को छोड़ सकारात्मकता बढ़ती जाए तभी अंतर बोध होगा शुभ योग मिले। पूज्य मुनि श्री ने कहा कि श्रद्धा बड़ी होना चाहिए श्रद्धा नहीं है तो हम भटकते रहेंगे। हृदय में श्रद्धा का भाव रहे। आपके अंदर श्रद्धा का भाव था आप पर्वत पर चढ़ गए। इसलिए श्रद्धा को जागृत करें। जब तक हम धर्मयातनो पर दान आदि उनकी सुरक्षा नहीं करेंगे कब तक पूजा धर्म ध्यान नहीं कर सकेंगे। आप बड़े भाग्यशाली हैं जो आपको सामग्री और सब कुछ सुलभ हो पा रहा है। **संकलनः अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी**

स्कूलों में 18 जनवरी तक बढ़ सकती हैं छुट्टियां

जयपुर. कासं

राजस्थान में लगातार बढ़ती सर्दी के बाद शिक्षा विभाग एक्टिव मोड में आ गया है। रविवार को शिक्षा विभाग के निदेशक गौरव अग्रवाल ने प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 18 जनवरी तक छुट्टियां घोषित करने के लिए जिला कलेक्टर को अधिकृत किया है। ऐसे में अब जिला स्तर पर शिक्षा अधिकारी मौसम के अनुसार स्कूलों के समय में परिवर्तन के साथ 18 जनवरी तक छुट्टियों की घोषणा कर सकते हैं। वहीं शिक्षा विभाग के आदेश के बाद जयपुर जिला कलेक्टर ने कक्षा एक से बारहवीं तक के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को सुबह 10 बजे से खोलने का आदेश जारी किया है। ऐसे में जो स्कूल सरकारी गाइडलाइन की पालना नहीं कर रहे। उनकी शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 0141-2704293 भी जारी किए हैं। जिन पर अभिभावक स्कूल की मनमानी की शिकायत कर सकते हैं।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में

तन हमारा रथ है,मन हमारा सारथी, कर्म हमारे अच्छे है तो दुनिया उतारेगी आरती: आचार्य श्री सुनील साखर जी महाराज

सांगानेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने मांगलिक प्रवचनों में कहा कि हमारे तन रूपी रथ का सारथी मन को बना लो तो संसार में हमारी जीत निश्चित है। जैसे महाभारत में अर्जुन रूपि तन के कृष्ण रूपी मन सारथी था तो जीत अर्जुन की हुई। हमें तन की सेवा के साथ-साथ मन की सेवा भी करनी चाहिये। आपकी साधना जितनी कठिन होगी उतना ही ज्यादा चमकोगे। जीवन जीने की सही दिशा का उपदेश देते हुए आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में पांच बातों का ध्यान रखो - 1. उत्साह पूर्वक कार्य करना, 2. प्रवाह पूर्वक क्रमिक गति को बनाये रखना, 3. अपने से ज्यादा समझदार लोगों से सलाह लेना, 4. सुराह पर चलना, 5. अवसरों को समझना। श्री सुधासागर बालिका छात्रावास की बालिकाओं को सम्बोधित करते हुये आचार्यश्री ने कहा कि हमें उक्त पांचों नियमों का पालन करते हुये ही अध्ययन करना चाहिये तो हम अच्छे अंकों से सफलता हासिल करेंगें और यदि हम इन पंचमंत्रों के द्वारा जीवन निर्वाह करेगें तो सफलता हमे निश्चित रूप से मिलेगी और हमारा कल्याण हो जायेगा। हमें दूसरे की गलतियों से भी सीख लेनी चाहिये जो हमारे जीवन के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है। इससे पूर्व आर्यिका सुदृढमती माताजी ने अपने ओजस्वी वाणी में बालिका छात्रावास की बालिकाओं को सन्देश देते हुये कहा कि छोटी-छोटी बातों पर रोना नही चाहिये बल्कि हमें मजबूत होना चाहिये, परिस्थियां हमें मजबूत बनाती है। घर से आई हुई मिठाईयों को बांट कर खाना चाहिये उससे आपस में प्रेम बनता है, ईर्ष्या और द्वेष खत्म होते है। बांटकर खाना भी गुणवान व्यक्ति की पहचान है। हमें कांच की तरह नही कनक की तरह बनना है क्योंकि कांच पर हथोडी मारोगे तो टूट जायेगा और कनक (सोना) पर हथौडी मारोगे तो वह चमक जायेगा।

विवान सेवा संस्थान की टीम का किया गया भव्य सम्मान एवं स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री वीर तेजाजी जाट छात्रावास समिति ब्यावर के तत्वावधान में आयोजित पांचवा वीर शिरोमणि महाराजा सूरजमल अंतरराष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान समारोह में विवान सेवा संस्थान की चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया। लकवा घर के माध्यम से राजस्थान के साथ-साथ पूरे हिंदुस्तान के गरीब मरीजों लकवा (स्पाइन इंजरी,ब्रेन इंजरी) जैसी गंभीर बीमारी के मरीजों के लिए निशुल्क इलाज एवं खाने-पीने की निशुल्क व्यवस्था करता है । वीर तेजाजी जाट छात्रावास समिति के संयोजक वीरेंद्र चौधरी ने इस कार्य की सराहना करते हुए टीम का मनोबल बढ़ाया एवं सम्मान किया। मौके पर डॉक्टर एनसी पूनिया, शिवकरण जादू, डॉ मनोज लांबा,डॉक्टर रुपक राजपूत,डॉक्टर सुनील गरसा, रामस्वरूप सेवालिया, डॉ आशालता चौधरी, लोकगायक संजय बिरख और हरीमोहन चौधरी आदि मौजूद रहे ।

श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा चोथा दिन

भक्त के विश्वास को पूर्ण करते हैं प्रभु: गोस्वामी श्री मृदुल कृष्णा

धूमधाम से मनाया नंदोत्सव,लूटी खुशियों की उछाल

जयपुर. शाबाश इंडिया। गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा जयपुर के 24 वें वार्षिकोत्सव पर विद्याधर नगर,सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे चल रहे श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ में परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज जी ने कहा कि भक्त के भाव को, अपने इष्ट के प्रति भक्त की आस्था को केवल प्रभु ही समझ सकते है,इसीलिए जीव को अपना दुख संसार के सामने नहीं केवल प्रभु के सामने ही प्रकट करना चाहिए। प्रभु पालनहार है, वे शरण में आये भक्त के सारे दुखों को हर लेते हैं। आचार्य गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज जी ने कहा कि भगवान का परम भक्त प्रहलाद, जिसे कि पिता हिरण्यकशिपु के द्वारा अति भयंकर कष्ट दिए गए, यहां तक कि श्री प्रहलाद जी को विष पिलाया गया। हाथी से कुचलवाया गया। अग्नि में जलाया गया। तरह-तरह की यातनाएं दी गई,परन्तु श्री प्रहलाद जी हर जगह अपने प्रभु का ही दर्शन करते थे, इसलिए उन्हें कहीं भी किसी भी प्रकार की पीड़ा का एहसास नहीं हुआ। उन्हें विश्वास था कि हमारे प्रभु सदा-सर्वदा सर्वत्र विराजमान रहते है। तो प्रभु श्रीनृसिंह भगवान भक्त के विश्वास को पूर्ण करते हुए खम्भ से प्रगट होकर यह दिखा दिया कि भक्त की इच्छा एवं विश्वास को पूर्ण करने के लिये वह कहीं भी किसी भी समय प्रगट हो सकते है।

फरुखनगर पधारे आचार्य अतिवीर मुनिराज

फरुखनगर. शाबाश इंडिया

प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज का राजस्थान के अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा से राजधानी दिल्ली की ओर मंगल विहार करते हुए धर्मनगरी फरुखनगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य श्री के प्रथम बार मंगल आगमन होने से समस्त समाज में अत्यंत हर्ष व उमंग का माहौल बना हुआ है। आचार्य श्री का भारी संख्या में गुरुभक्तों के साथ हैली मण्डी से मंगल विहार प्रारम्भ हुआ। श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, फरुखनगर पधारने पर उपस्थित जनसमुदाय ने पूज्य आचार्य श्री का भावभीना स्वागत किया। मार्ग में जगह-जगह भक्तों ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन व आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने सभी को जीवन में सम्यकदर्शन की प्राप्ति कर परम लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि भीषण ठंड में भी आचार्य श्री का निरंतर पद विहार चल रहा है और शीघ्र ही राजधानी दिल्ली में मंगल प्रवेश होगा जहां अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

नवजात बच्चों को बेबी किट वितरण

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सुर्य उपासना के महा पर्व मकर संक्रांति पर महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी द्वारा सुबह 09:30 बजे राजकीय चिकित्सालय में नवजात शिशुओं को हाईजैनिक बेबी कीट व जच्चा को बिस्कुट डा कल्पना गुप्ता, डॉ. शिशुपाल मूड के सानिध्य में वितरण किये। वीर रामावतार गोयल ने बताया कि संस्था के जोन कोषाध्यक्ष वीर सुभाष पहाड़ियां, वीर सुरेश गंगवाल, वीर संपत बागडिया, वीर शकील मोहम्मद, वीर नरेश झांझरी वीर अशोक जैन, वीर कमल गौड़, वीर भानुप्रकाश ओचित्य, ललित सेन, ने वितरण में सहयोग किया। चिकित्सालय परिवार द्वारा सबकी सेवा सबको प्यार के उद्देश्य से सेवा कार्यों पर साधुवाद कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

लायंस क्लब जयपुर एंजेल पर्ल के शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

डॉ अनामिका पापड़ीवाल अध्यक्ष, सुजाता स्वर्णकार को सचिव

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर एंजेल पर्ल के शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व प्रांतपाल अंजना जैन द्वारा डॉ अनामिका पापड़ीवाल को अध्यक्ष, सुजाता स्वर्णकार को सचिव और सरोज रुंगटा को कोषाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। चार्टर प्रेसिडेंट स्वग्रही माओ द्वारा सभी का स्वागत और आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर अंजना जैन द्वारा लायंस क्लब और उनके कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने क्लब द्वारा अब तक किए गए सेवा कार्यों की भी बहुत सराहना की।